

ख़बर संक्षेप

बोरसी भाठा में वन महोत्सव आज

दुर्ग। पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाइफ (लाइफ स्टार्डॉल फॉर एनवॉरमेंट) अभियान के तहत दुर्ग वनमंडल द्वारा 25 अगस्त को वन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दुर्ग के बोरसी भाठा में पूर्वाह्न 10 बजे से आयोजित होगा। आयोजन में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी कार्य विभाग मंत्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण व अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अहिरावा विधायक व राज्य अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोसंबाड़ा, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, पूर्व मुख्यमंत्री व पाटन विधायक भूपेश बघेल, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, सरस्वती बंजारे, महापौर अलका बाघमार, शशि सिन्हा, श्याम शर्मा, केशव कुमार बछोर एवं कुलेश्वरी देवांगन सम्मिलित होंगे।

तहसीलदार तत्काल प्रभाव से निलंबित
दुर्ग। प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही और जनसमस्याओं के लिए तहसीलदार मुकेश कुमार ठाकुर पर शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने, सामान्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण में देरी करने तथा आरबीसी 6-4 के तहत पीड़ित परिवारों को मिलने वाली आर्थिक सहायता के मामले में अनावश्यक विलंब करने के गंभीर आरोप थे। संभायुक्त द्वारा जारी आदेश के तहत निलंबन अवधि में ठाकुर का मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर, राजनांदगांव निर्धारित किया गया है।

3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण के लिए 1.050 हे. भूमि आवंटित

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी निर्देशों तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र आरबीसी 4-1 की कंडिका 26 में निहित प्रावधानों के तहत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी के निर्माण हेतु शासकीय भूमि के

- अमलेश्वर, भोथली और खुडमुड़ा में बनेगा एसटीपी प्लांट, होगी सुविधा**

आबंटन की स्वीकृति प्रदान की है। जारी आदेश के अनुसार, तहसील पाटन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीन विभिन्न ग्रामों में स्थित कुल 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि एक रुपए प्रति वर्गफीट की दर से निर्धारित मूल्य राज्य कोष में जमा कराए जाने के उपरांत बिना भू-भाटक के नगर पालिका परिषद अमलेश्वर को हस्तांतरित की गई है। आबंटित भूमि के विवरण के अनुसार, ग्राम अमलेश्वर (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 671/2 का 0.050 हेक्टेयर (5,380 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 5,380 रुपए, ग्राम भोथली (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 137/1 का 0.800 हेक्टेयर (86,111 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 86,111 रुपए, तथा ग्राम खुडमुड़ा (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 530 का 0.200 हेक्टेयर (21,520 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 21,520 रुपए प्लांट कराए जाने पर सीवरेज ट्रीटमेंट जमा कर प्रत्येक प्रयोजनार्थ स्वीकृत किया गया है। उक्त भूमि का आबंटन कड़े प्रशासनिक प्रतिबंधों एवं शर्तों के अधीन किया गया है। जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि आवंटित भूमि का उपयोग केवल सार्वजनिक जनउपयोगी कार्य एवं

नियमित किराया जमा नहीं करने और व्यवसाय बंद रखने पर 8 गुमटियां सील

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा निगम सीमा क्षेत्र में आवंटित गुमटियों से नियमित किराया वसूली तथा उनका निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गौरव पथ रोड स्थित एलआईजी एलआईसी कार्यालय के सामने आवंटित गुमटियों में नियमित किराया जमा नहीं करने एवं गुमटियों में व्यवसाय

संचालित नहीं किए जाने के कारण संबंधित आवंटितों को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संबंधित आवंटितों द्वारा निर्धारित अवधि में कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही किराया जमा करने तथा व्यवसाय संचालन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की गई। इसे गंभीरता से लेते हुए नगर निगम द्वारा सोमवार को कुल 8 गुमटियों को सीलबंद कर निगम कब्जे में ले लिया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा, सामान्य फसल के सर्वे की कलेक्टर ने की समीक्षा

खेत का होगा डिजिटल सर्वे, किसान रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, एग्रीस्टेक व बकेट प्लेम का हो पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण योजना एवं अन्य कृषि सांख्यिकी योजनाओं के संबंध में वार्षिक प्रशिक्षण सोमवार को पीडब्ल्यूडी सभागार में सभी अनुविभागीय अधिकारी, उप संचालक कृषि, तहसीलदार एवं पटवारी के लिए आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री हरवंश सिंह मिरी भी उपस्थित थे। सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा अधिकारियों को योजनाओं की प्रक्रिया एवं कार्यों की बारीकियों की विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने फसलों के डिजिटल फसल सर्वेक्षण, एग्रीस्टेक पोर्टल एवं लंबित बकेट प्लेम प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य आगामी सितंबर माह तक पूर्ण करने को कहा। उन्होंने सर्वेक्षण में आ रही दिक्कतों की जानकारी लेते हुए सर्वेयों के निराकरण में देरी करने तथा कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पटवारियों को अधिक से अधिक सर्वेक्षणों का अनुमोदन करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि कई गांवों में सर्वेक्षण पूरा होने के बावजूद पटवारियों द्वारा समय पर अनुमोदन नहीं किया जा रहा है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश



पटवारी सर्वेयरों के साथ खसरा नंबरों का करें निरीक्षण

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पटवारी सर्वेयरों के साथ कम से कम एक-दो खसरों का मौके पर निरीक्षण करें। किसी खेत में फसल को लेकर संदेह होने पर सर्वेयर संबंधित फसल का फोटो संबंधित अधिकारी व पटवारी के साथ साझा करें, ताकि किसी संदिग्ध या प्रतिबंधित फसल की जानकारी मिलने पर नियमानुसार रिपोर्ट की जा सके। उन्होंने सक्रिय सर्वेयरों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि निष्क्रिय सर्वेयरों को हटाकर उनके स्थान पर दूसरे सर्वेयरों की नियुक्ति की जा सके। कलेक्टर ने जानकारी दी कि डिजिटल फसल सर्वेक्षण केवल धान की फसल तक सीमित नहीं है। धान के स्थान पर कोदो, कुटकी, अरहर, कपास, सोयाबीन, तिल, रागी सहित अन्य फसलें लेने वाले किसानों की फसलों का भी सर्वेक्षण किया जाना है, ताकि पात्र किसानों को नियमानुसार अनुदान का लाभ मिल सके।

तरीफाट हाई स्कूल पहुंचे शिक्षा मंत्री विद्यार्थियों से संवाद कर पढ़ाई के लिए किया प्रेरित



दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम तरीघाट स्थित शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। उन्होंने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से संवाद किया तथा स्कूल में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति एवं विद्यालय की आवश्यकताओं की जानकारी लिए।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी उत्प्रेरणा, रुचि और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी लिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मजबूत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही उनके उज्ज्वल

भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने, अनुशासन का पालन करने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। तरीघाट स्कूल में निरीक्षण के दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिक्षकों से कहा कि बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर निरंतर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया

सिंधिया नगर में सावन सोमवार पर आयोजन

कामकाजी दीदियों को सावन उपहार देकर मनाया तीज पर्व

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

सिंधिया नगर में सावन के पावन अवसर पर अंतिम सावन सोमवार का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस

- धूमधाम से मनाया सावन का अंतिम सोमवार**

अवसर पर पूजा-पाठ, भजन-संगीत एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों एवं क्षेत्र में कार्य करने वाली दीदियों को सावन के उपहार भेंट कर उनके



साथ पर्व की खुशियां साझा की गईं। आयोजन के दौरान पूरा वातावरण भगवान भोलेनाथ के जयकारों एवं भक्ति गीतों से भक्तिमय हो गया।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में शामिल होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक नीलू संजय सिंह ने



निगम की अनदेखी से कबाड़ हो गई कई जगहों पर रखी गुमटियां

बता दें कि निगम द्वारा शहर के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों गुमटियां रखी गई थी। विस्थापितों को रोजगार के लिए ये गुमटियां आवंटित भी की गईं, लेकिन अनदेखी के कारण कबाड़ हो गईं। इसमें सरस्वती नगर, सारथी पारा, पंचशील नगर, जिला अस्पताल के सामने, एलआईसी दफ्तर के सामने, रविशंकर स्टेडियम परिसर, बोरसी, इंदिरा मार्केट, उताई टेम्पो स्टैंड के पास सहित अन्य जगहों पर गुमटियां आवंटित की गईं। बाद में ये सभी गुमटियां कबाड़ हो गईं। इसमें से कई गुमटियों का आवंटन तक नहीं हो पाया। वर्तमान में निगम ने नए सिरे से अलग-अलग जगहों पर गुमटियां रखी हैं, जिनका आवंटन भी किया जा रहा है।

गदा चौक-सुपेला प्लाईओवर का विरोध काम रुकवाने सांसद ने दिया समर्थन



हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

प्लाईओवर की उपयोगिता पर उठाए सवाल

गदा चौक से सुपेला चौक तक प्रस्तावित प्लाईओवर को लेकर विरोध तेज हो गया है। सोमवार को सुपेला के व्यापारी संघों, सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर प्लाईओवर का निर्माण नहीं कराने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। इससे पहले संगठनों ने कलेक्टर को भी ज्ञापन देकर प्रस्तावित परियोजना पर पुनर्विचार की मांग की थी। सांसद विजय बघेल ने व्यापारियों का समर्थन करते हुए ईई ब्रीज पीडब्ल्यूडी दुर्ग को ध्यानकर्षित किया है। व्यापारियों का कहना है कि गदा चौक से सुपेला चौक तक का मार्ग भिलाई के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल है। सड़क के दोनों ओर लंबे समय से छोटे और मध्यम व्यापारी कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में प्लाईओवर निर्माण के दौरान लंबे समय तक यातायात और बाजार की पहुँच प्रभावित होने की आशंका है। निर्माण के बाद भी ग्राहकों की आवाजाही और दुकानों तक पहुंच पर असर पड़ सकता है। ज्ञापन सौंपने वाले संगठनों में गणेश मार्केट सुपेला व्यापारी संघ, होलसेल होजरी रेडीमेड एंड क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन, श्रीगुरु सिंह सभा सुपेला और मस्जिद नूर सुपेला सहित अन्य संस्थाओं के

प्लाईओवर की उपयोगिता पर उठाए सवाल

व्यापारी संगठनों का दावा है कि सुपेला से गदा चौक के बीच कई स्थानों पर सड़क की चौड़ाई करीब 100 से 150 फीट तक है। इसके अलावा सुपेला चौक पर पहले से प्लाईओवर और रेलवे कांसिंग पर अंडरब्रिज का निर्माण हो चुका है। ऐसे में व्यापारियों का सवाल है कि जब मौजूदा सड़क पर्याप्त चौड़ी है और यातायात सुविधा के लिए पहले ही बड़े निर्माण हो चुके हैं, तो गदा चौक से सुपेला के बीच नए प्लाईओवर की जरूरत क्यों है। व्यापारी संगठनों ने प्लाईओवर की उपयोगिता पर भी सवाल उठाया है। उनका तर्क है कि मौजूदा सड़क की पर्याप्त चौड़ाई और क्षेत्र में पहले से उपलब्ध यातायात सुविधाओं को देखते हुए परियोजना की आवश्यकता का दोबारा आकलन किया जाना चाहिए। संगठनों का कहना है कि यदि प्लाईओवर की आवश्यकता नहीं है।

प्रतिनिधि शामिल थे। व्यापारियों ने कहा कि उनका कारोबार ही उनके परिवारों की आजीविका का मुख्य साधन है। यदि निर्माण के कारण बाजार की पहुंच प्रभावित होती है तो छोटे और मध्यम व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। इस दौरान शिव प्रसाद साहा, सुरेश राय, सुरेश अग्रवाल, संतोष शर्मा आदि मौजूद थे।

व्यंग्य पुरोधा हरिशंकर परसाई ने समाज में जगाई वैचारिक चेतना : सियाराम शर्मा

परसाई की रचनाओं का किया पठन

रचना पाठ सत्र के अंतर्गत वरिष्ठ व्यंग्यकार गुलबीर सिंह माटिया, विनोद साह ने अपनी व्यंग्य रचनाओं का पाठ किया। शरद कोकास ने परसाई कृत रचना मातादीन चाँद पर का भावपूर्ण पाठ किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रलेस मिलाई दुर्ग अध्यक्ष परमेश्वर वैष्णव ने और धन्यवाद ज्ञापन सचिव विमल शंकर झा ने दिया। इस अवसर पर संतोष झांझी,कुमताज, विनोद सोनी, डॉ संजय वानी, विजय वर्तमान, वीरेंद्र पटनायक, कमलेश वर्मा, शिव मंगल सिंह, एनएन पांडे आदि साहित्यकारों और रंगकर्मीओं की रचनात्मक उपस्थिति रही।

ठिठुरता हुआ गणतंत्र” और ” वैष्णव की फिसलन” जैसे विपुल व्यंग्य रचनाओं से छलावे ,आडंबर,पाखंड पर चोट की। परसाई ,वैज्ञानिक दृष्टि से समय, समाज और संस्कृति को देखते थे वे चेतना सम्पन्न समाज बनाना चाहते थे। मुख्य वक्ता जयप्रकाश ने कहा परसाई की प्रासंगिक व्यंग्य रचनाएं बताती हैं कि वे एक बड़े विजन वाले युग दृष्टा थे। उनके लेखन में हम आज के यथार्थ को देख सकते हैं ।

उन्होंने हिंदी साहित्य में व्यंग्य को विधा के रूप में स्थापित ही नहीं किया अपितु हिंदी साहित्य को उन्होंने एक नई व्यंजना शक्ति दी। वरिष्ठ व्यंग्यकार रवि श्रीवास्तव ने कहा परसाई के साथ हम धमतरी ,रायपुर और राजिम के कालेजो में भी गए। वे बच्चों से समाजिक समस्याओं सहित विज्ञान सम्मत संवाद करते थे। वे कहते थे देश के भविष्य को युवा पीढ़ी ही संभालेगी । वरिष्ठ कथकार लोकबाबू ने कमला

प्रसाद के नाम लिखे परसाई के उस पत्र का पाठ किया जिसमें परसाई ने संगठन, वैचारिक प्रतिबद्धता पर महती विचार व्यक्त किए थे। छत्तीसगढ़ प्रलेस के महासचिव परमेश्वर वैष्णव ने कहा परसाई हमारे समय के कबीरे थे। साहसी लेखक परसाई ने अपनी लोकप्रियता के लिए नहीं लोकहित के लिए व्यंग्य साहित्य लिखा। उनकी रचनाओं में आम आदमी की पीड़ा और कष्टण की अंतर्धारा प्रवाहित है। शिक्षाविद डॉ. कोमल सिंह शावां ने कहा परसाई ने व्यंग्य साहित्य को केवल ऊंचाई ही नहीं दी बल्कि उसे समृद्ध भी किया। इन्हीं के राष्ट्रीय सचिव राजेश श्रीवास्तव ने कहा परसाई की अनेक रचनाओं को इ्टा द्वारा देश भर मंचन किया गया। मातादीन चांद पर रचना पर अनिगमित बार हमने नाट्य मंचन किए। अनीता कर्डकर ने परसाई के बचपन की त्रासदी को विस्तार से रेखांकित किया।

कुपोषण के खिलाफ जागरुकता शिविर

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना धमधा के अंतर्गत ग्राम पंचायत करेली में रोटरी क्लब दुर्ग के सहयोग से स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के कुपोषित बच्चों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा ग्राम को कुपोषण मुक्त बनाना रहा।

शिविर में 71 महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं का शुगर, बीपी एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उनके पालकों की काउंसिलिंग की। 9 गंभीर कुपोषित बच्चों को दवाइयों वितरित की गईं, जबकि रोटरी क्लब द्वारा 44 कुपोषित बच्चों को सुपोषण कित प्रदान की गईं।

भूत। टीटोटी उत्तम शिक्षक कल्याण संघ छलीसगढ़ में सहायक शिक्षकों की पदेननित प्रक्रिया को लेकर शिक्षा संभाग दुर्ग के संयुक्त संचालक को ज्ञापन सौंपकर लांबित प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की है। संघ ने पदेननित प्रस्ताव, रिक्त पदों की जानकारी और पदेननित काउंसलिंग की तिथि शीघ्र प्रकाशित करने की मांग की है। संघ का कहना है कि 13 अगस्त को अंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है, लेकिन अभी तक पदेननित प्रस्ताव नहीं मॉंया गया है। इससे पदेननित की प्रतीक्षा कर रहे सहायक शिक्षकों में असंतोष की स्थिति बनी हुई है। संघ ने अपने प्रमुख मांगों में पदेननित प्रस्ताव को तत्काल प्रकाशन करने की बात कही है, ताकि सभी सहायक शिक्षक निर्धारित समय पर अपने गोपनीय प्रतिवेदन जमा कर सकें। इसके साथ ही रिक्त पदों की डीपीसी प्रस्ताव और स्कूलों की डीपीसी प्रस्ताव की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग की गई है। संघ ने पदेननित काउंसलिंग की तिथि भी जल्द घोषित करने की मांग की है। संघ ने संबंधित अधिकारियों से पदेननित प्रक्रिया को समग्रबद्ध तरीके से पूरा करने की अपील की है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मिलाई

देश में पीएम की मांडल रेलवे
स्टेशन पुर्विकास योजना के तहत
पावरहाउस स्टेशन का कायाकल्प
का काम चल रहा है। लेकिन स्टेशन
सबसे कमजोर वर्ग दिव्यांग यात्रियों
की सुविधा की उम्मेदा की जा रही है।
दिव्यांगों के पैदल मार्ग रैप को तोड़ें
जाने के बाद भी अब तक इसका
निर्माण नहीं किया गया है। वहीं अन्य
सुविधाओं के भी निर्माण कार्य में
विलंब से भी यात्रियों का परेशानी हो
रही है। दैनिक यात्री संघ के बाद अब
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के
महाप्रबंधक, डीआरएम और
मिलाई नगर के विधायक देवेंद्र
यादव को को ज्ञापन सौंपकर जल्द
पैदल मार्ग के निर्माण सहित संपूर्ण
कार्य नगशे के मुताबिक किए जाने
की मांग की है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन मंगलवार को शाम 4.30 बजे महात्मा गांधी कलामंदिर में किया गया है।

मुख्य अतिथि बीएसपी के कार्यक्रम निदेशक पवन कुमार हैं। कार्यक्रम में सीटीए एबी श्रीनिवासन व शिक्षा विभाग प्रमुख भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर बीएसपी स्कूलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मिलाई

मिलाई इस्पात संयंत्र के सीनियररक्षक से सैक्रेटरी स्कूल, सेप्टेम्बर-10 में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बढते साइबर अपराधों तथा ऑनलाइन दोस्ती-दोस्ती के बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में साइबर अपराधों के बचाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में साइबर अपराधों के बचाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

बाँसपीया प्रखण्ड ठाउँ रेशने कमिशन क अविश्वसनीयता का पहल ३२ जना कार्यवाही लोको का गैड फिर दिखारै इन्स इस्तीफा को ही बंद कर दिया था। इन्स करमे के तहत १४ वौं वार्ड का टाउनशिप में दस लाख रुपया सुरक्षाशिक्षि जमा कर मासिक बिजली, पानी सफाई व आवासीय सुरक्षा रशिप पर आवास अवधिद किए गए थे। इसी तरह लाख रुपया पर की करीबन 7000 रिटरनकरमे को बाँसपीया कटार अद्यतन किए गए। लेकिन अब इसी रिटायर आवासधारियों को नॉटिफ करमे मकनम खाली करवा दिया जा रहा है। करीब दो से लोग मकनम खाली करवने मजबूर हो चुके है। रिटायरधारियों ने बताया कि मकनम अत्यंत करमे सम्यता बिना खात तक या जीवन मर कियारा पटते तक निवास करवने की बात प्रखण्ड ने कही थी। हमारे दस लाख से सुरक्षाशिक्षि पर कोई ध्यान भी नहीं मिलता है। मकनम का रख-रखाव के खाता अरुनजन तत्वों के सत्ते से बढावने में भी हम मदद कर रहे हैं। फिर आवासीय सुविधाएं बंद कर और सेक्टर वी हस्पिटल का निजीकरण कर जिम्मेदार किस तरह का संशेद बना रहे रहे हैं।

उपलब्ध कारणों रितेशन, लायसेंसि आवास के साथ थर्ड पार्टी पर भी मानक अलात किए गए। साथ ही टाउनशिप का हरभार व खुला स्थानों में आवास और शांत माहौल भी मिला। हर सेक्टर में मार्केट और स्कुल आदि सुविधाओं ने हजारों कर्मचारी अधिकारियों को रितायर होने के बाद वापस अपने गृह राज्य जाने से निरोक दिया। इन्होंने सोचा कि जीवनभर तक प्लांट में रहकर आवास सुविधा मिल रही है तो उत्तम स्थिति है अब बुढ़ापे में अपने राज्य क्यों लौटें जब बच्चे की बाहर जांब में होने से कोई आडसोर्सि

सहारा नहीं है।
यूनियनों के मुताबिक तीस चालीस साल तक प्लांट में 1 मिलियन टन से 7 मिलियन टन तक की कोंतिमांनी उत्पादन और हर किसी की जिंदगी से जुड़ा हुआ है सेल वाली फौलादी संस्कृति को देश दुनिया में समृद्ध किया। लेकिन सेल और केंद्र सरकार को बदली हुई पालिसी व निजीकरण और डाइटेसोरिंसिग के दौर में अब आवासीय और शिक्षा आदि सुविधाएं बंद करने के साथ नीट एंड क्लीन व सर्वसुविधा व शांत

पारमहंसर नेस्टन स्टेशन में लैटेंटनाम एक म यात्रिका के लिए एस्सेलेटर का निर्माण किया जला है। लेकिन इसके निर्माण में भारी लैटेन्टाओं के कारण अब तक सुविधा यात्रियों को नहीं मिल पाई है। श्री असोरा ने बताया कि एस्सेलेटर का निर्माण कार्य पिछले छह महीने से बंद पड़ा है। स्ट्रुकर लगाकर जोड़ दिया गया है। दो माह पूर्व टीआरएम के स्टेशन निरीक्षण के दौरान इसके जल्द निर्माण कराने व आश्वासन के बाद भी अधूरा है। इसके चलते भारी लोगेंड लेक्चर चलने वाले यात्रियों और बच्चों, दुख्ती और महिलाओं को आने जाने में तत्काली हो रहे हैं। झांपन में एस्सेलेटर सहित सभी कार्य जल्द पूर्ण करवाने की मांग की गई है।

अधिक परेशानी प्लेटफार्मामें 3 व 4 माह पूर्व दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए तैयार किए गए पैदल मार्ग को तोड़ने जाने के बाद फेर से निर्माण नहीं किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के उपाध्यक्ष राजेंद्र असोरा और प्रदेश प्रतिनिधि अमरचंद असोरा ने डीआरएम को पत्र भेजकर बताया कि प्लेटफार्मा 1 से 3 तक दिव्यांगों के जाने के लिए रेलवे ट्रैक पर से पैदल मार्ग यानी कांक्रिट की सड़क बनाई गई थी। इस चार महीने पहले तोड़ दिया गया। इस कारण वृद्ध व दिव्यांग यात्रियों को आने जाने के लिए दूसरे यात्रियों से मदद लेना पड़ रहा है। कई लोगों के लिए पटरी पार करना जोखिम भी साबित हो रहा है। ऐसे कई यात्रियों की ट्रेन भी खूट जा रही है। इसके पूर्व भी रैप को तोड़ दिया गया था। ज्ञानेश्वर में जल्द प्लेटफार्मा 1 से 3 तक जाने के लिए रैप निर्माण करवाए जाने की मांग की गई है।

कोकरोट को सड़क बनाई गई थी। इससे चार महीने पहले तोड़ दिया गया था। इस कारण बुजुर्गों व दिव्यांग यात्रियों को आने जाने के लिए दूसरे यात्रियों की सड़क से मदद लेना पड़ रहा है। कई लोगों के लिए पटरी पार करना जोखिम भरा साबित हो रहा है। ऐसे कई यात्रियों को की ट्रेन भी छूट जा रही है। इसके पूर्व भी रैप को तोड़ दिया गया था। जापान में जल्द प्लेडफार्म 1 से 3 तक जाने के लिए रैप निर्माण करवाए जाने की मांग की गई है।

भिलाई। कार्यस्थल पर सुरक्षा को और सद्द करने तथा परिचालन

पञ्चवर्षसमयान्तर्वा बढाईन का दिशामा
भिल्लाई इस्पात संयन्त्र के स्टील
कटिङ शोप-3 में नया इन-हाउस
लांलांस जाम कटिङ कॉम्प्लेक्स का
कार्यकारी कार्यालयक
निर्देशक बोके बेहरा द्वारा किया
गया। यह सुविधा एसएमएस-3 में
बी.ओ.एफ. कॉम्प्लेक्स पुराने
बी.ओ.एफ.-3 के बाद स्थित उपराने
लांलांस कटिङ स्टैंड के समीप
कविसित का कटिङ है। सीजीएमएन
जेजेपीसिंह व त्रिभुवन बैठा,
सम्राटबन्धक प्रद्युम्न सप्तथी, जीएमएन
अमोद अग्रवाल, उमाशङ्कर परगनिहा
प्रमोद मौजुद थे।

मलाई। व्यावृद्धि सर्वाभावा
चिकित्सक डॉ. सैयद आफताब
रजवी (78) का सोमवार सुबह
गायपुर के एक अस्पताल में
निधन हो गया। उनके
मेहरू नगर स्थित निवास
में कज्जाना निकला और
जो कब्रिस्तान कैम्प-1 में उन्हें
मुमुर्द खाक किया गया।
डॉ. रजवी को आखिरी
वेवार्ड देना जनप्रतिनिधि,
चिकित्सक बिहारदरी सहित लोग
गामिल हुए। मरहूम रजवी के पिता
सैयद अहमद सैयद रजवी उप
नायब मंत्री। मेडिकल की पढ़ाई
गायपुर मेडिकल कॉलेज से पूरी की
थी। 1975 में उन्होंने एमडी की डिग्री
प्राप्ती। बीएसपी सेक्टर-9 मुख्य

याचकत्वाच्याच के मांडावरून विभाग म
अपनी सेवा की शुरूआत की। यहाँ
उन्होंने दो दशक से ज्यादा अपना
योगदान दिया और इसके
बाद साल 1998 में वे
बीएसपी से रिटायर बाद वे
प्राइवेट प्रेक्टिस कर रहा थे।
डॉ. रिजवी का समाज सेवा
में सतत योगदान रहा और
उन्होंने गरीब और वंचित
समसमुदाय के लोगों की हमेशा
निःशुल्क सेवा की। वे डॉ.
अस्पताल के रिटायर निदेशक हैं।
रिजवी के बड़े भाई थे। उनके निधन
पर चिकित्सकों सहित सामाजिक
सेवा में भावभीनी श्रद्धांजलि दी
गई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी
गहरा शोक जताया है।

कूल से. 10 में साइबर सुरक्षा जागरुकता पर कार्यशाला

ऑनलाइन संपर्क में सावधानी
 बरतने तथा किसी भी संदिग्ध
 डिजिटल गतिविधि की स्थिति में
 तत्काल अपने अभिभावकों,
 शिक्षकों अथवा संबंधित
 अधिकारियों को जानकारी देने के
 महत्व को रेखांकित किया।

काशीपाला में साइबर फ्रॉड के
 प्रति जागरूकता के साथ-साथ
 विद्यार्थियों को यह समझाने पर भी
 जोर दिया गया कि साइबर सुरक्षा
 केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि
 प्रत्येक डिजिटल उपयोगकर्ता की

[illegible]

टशनपर भी उजड़ रही है। प्रबंधन द्वारा रिटेशन व लायसेंसी आवसाधार्थियों को मकान खाली करने नोटिस दिए जा रहे हैं। कई लोगों ने खाली भी कर दिए हैं। वहीं सेक्टर नई हास्पिटल के निजीकरण की प्रक्रिया तेज हो गई है।

हेल्थ सेक्टर भी बंद हो चुके हैं। मेडिकलने सिमटने की भी कर्मियों को चिंता सता रही है। संयुक्त यूनियन सेक्टर नई हास्पिटल के निजीकरण के खिलाफ आंदोलन का यथावत बनाए रखने की मांग कर रही है।

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल के डिस्पैच सेक्शन नै फिनिस प्लेट्स के रोड डिस्पैच का नया दैनिक रिकॉर्ड स्थापित किया है। ठीम ने २०२२-२३ के ४९ ट्रॉलियों के माध्यम से १,५२६ टन फिनिस प्लेट्स का रिकॉर्ड डिस्पैच किया है। इससे पूर्व १६ आमत का ४० ट्रॉलियों के माध्यम से १,२४९ टन फिनिस प्लेट्स डिस्पैच रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। इस प्रकार पिछले रिकॉर्ड की तुलना में एक दिन में ३ अधिक ट्रॉलियों के माध्यम से २८० टन अधिक फिनिस प्लेट्स का डिस्पैच किया गया। इसमें मिल के डिस्पैच सेक्शन, ऑपरेशन एवं लॉजिस्टिक्स ठीम, ट्रांसपोर्ट, क्रेन एवं हैंडलिंग ठीम का योगदान रहा।

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रथम उपहार 1 कार



निम्न सूची देखें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुविधित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महात्माजी ब्र. में भाग लेते हैं वर प्राप्तिभागी को एक सुविधित उपहार प्रदान की जा सकता है। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि साप्ताहिक पत्र में कुल 50 कूपन (35 साप्ताहिक कूपन एवं 15 दैनिक कूपन) प्रकाशित किये जायेंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान साप्ताहिक पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 साप्ताहिक एवं 10 दैनिक कूपन) विकल्पित करने हैं। ❖ फोटोकॉपी या कट-आउट कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे। ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार को सीमा नियम लागू नहीं होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुविधित उपहार योजना के विजेता को आश्चर्य के आकार के अवसर पर रात में भेजा जाएगा। ❖ हरिभूमि निर्वाहक मंडल का निर्णय अंतिम एवं न्यायमान होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रामपुर (छ.ग.) मान्य है। ❖ विषय में दैनिक पत्र उपहार वार्षिकिक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एडिटर व उनके परिवार के सदस्य इस योजना में भाग नहीं ले सकते हैं।

आज ही **हरिभूमि** की प्रति
बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : पुजारी पार्क के सामने, पचपेदी नाका रोड, टिकरापारा रायपुर
फोन : 0771-4242238, मो. 8224868411, 8319145740

लाइव इवेंट

साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने पर हुआ विचार-विमर्श



भिलाई। पावस ऋतु की रिमझिम के बीच कविता, साहित्य और बांग्ला भाषा की मिठास से भिलाई निवास स्थित इंडियन कॉफी हाउस का माहौल साहित्यिक रंग में रंग गया। बंगीय साहित्य संस्था की कॉफी विथ साहित्यिक विचार-विमर्श अड्डा की 128वीं बैठक में पावस ऋतु पर काव्य पाठ के साथ बांग्ला कवि पल्लव चटर्जी के बांग्ला लघुकथा संग्रह अनुघटक का लोकार्पण किया गया। बैठक की अध्यक्षता असम से पधारी बांग्ला कवयित्री दीपिका विश्वास ने की, जबकि कला साहित्य मित्र समूह कवच के संयोजक शक्तिपद चक्रवर्ती विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बंगीय साहित्य संस्था के संरक्षक समरेंद्र विश्वास, उपसभापति स्मृति दत्त, मध्यबलय के संपादक दुलाल समादार, महासचिव शुभेंद्र बागची, कोषाध्यक्ष पल्लव चटर्जी, आरंभ के अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य, ब्रजेश मल्लिक, आलोक कुमार चंदा, बीरेंद्रनाथ सरकार, रवींद्रनाथ देबनाथ, सुबीर राय और रतन सरकार उपस्थित रहे।

भाषा और संस्कृति को बचाए रखने का संकल्प

रंगकर्मी शक्तिपद चक्रवर्ती ने कहा कि बंगीय साहित्य संस्था की यह पहल अनुकरणीय है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से बांग्ला साहित्य, संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखा जा सकता है। साहित्य और कला को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा, हम हैं तो भाषा में हैं, हम हांगे तो भाषा में होंगे। कवयित्री दीपिका विश्वास ने कहा कि कला, साहित्य और विशेष रूप से बांग्ला भाषा व कविता को ऐसे साहित्यिक आयोजनों के माध्यम से जीवंत रखा जा सकता है। उन्होंने बांग्ला में टेलीफोन और फिरो शीर्षक कविताओं का पाठ किया। बैठक में पल्लव चटर्जी की नई कृति अनुघटक का लोकार्पण हुआ। इसके बाद उपस्थित साहित्यकारों ने पावस ऋतु और विभिन्न विषयों पर कविताएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संचालन स्मृति दत्त ने किया।आभार व्यक्त करते हुए सुबीर राय ने कहा कि प्रस्तुत कविताएं मार्मिक और अर्थगर्भ थीं। उन्होंने कहा कि ये रचनाएं लोकमन और प्रकृति की भाषा को आधुनिक संवेदना से जोड़ती हैं। बांग्ला से बाहर रहते हुए भी बांग्ला भाषा और संस्कृति की पहचान को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सुबीर राय ने आभार व्यक्त किया।

सिटी इवेंट

राजस्थानी अंदाज में मनाया तीज उत्सव, संगीत, नृत्य रहा आकर्षण



दुर्ग। इनर व्हील क्लब ऑफ़ द्वारा तीज उत्सव का आयोजन रोमन पार्क में हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम पधारी म्हारे देश रखी गई, जिसमें राजस्थानी संस्कृति, परंपरा और मनोरंजन का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक राजस्थानी अंदाज में सजाया गया था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शहर की प्रतिष्ठित मेकअप आर्टिस्ट मीनाक्षी टुटेजा रही, जिन्होंने सभी के लिए डिस्काउंट वाउचर्स प्रदान किए। क्लब अध्यक्ष निधि देशलहरा ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए क्लब को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। राजस्थानी गीत-संगीत पर सदस्याओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न मनोरंजक गेम्स एवं हाउसी का संचालन मोनिका खेतान, जया गुप्ता, पल्लवी गुप्ता, नीति बल्लेवार, नेहा कर्णावत एवं नीतू अग्रवाल ने किया। विजेताओं को क्लब की सदस्य एवं कल्याण ज्वेलर्स, भिलाई की ओनर अंजू रंगटा द्वारा आकर्षक चांदी के सिक्के प्रदान किए गए। अंजू रंगटा ने आयोजन के लिए क्लब को स्पॉन्सरशिप भी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेक्रेटरी जसलीन कौर, पीपी भावना जोतवानी, पीपी पारुल जैसवाल, आईएसओ संगीता राजगिडिया, पीपी मांडवी गुप्ता, राखी नगरिया, सीमा कुखरानिया एवं निमिशा सिंह सहित अनेक सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। राजस्थानी संस्कृति, संगीत, नृत्य, गेम्स, शॉपिंग और मनोरंजन से सजा यह आयोजन सभी सदस्याओं के लिए यादगार बन गया।

शॉपिंग एग्जीबिशन के जरिए महिलाओं को किया प्रोत्साहित, रोजगार की संभावना बताई

इस अवसर पर क्लब द्वारा रोमन पार्क के महिला स्टाफ को साड़ियां गेट स्वरूप प्रदान की गईं, जिससे तीज की खुशियां उनके साथ भी साझा की गईं। साथ ही, सदस्याओं के लिए एक छोटा-सा शॉपिंग एग्जीबिशन भी लगाया गया, जहां विभिन्न आकर्षक वस्तुओं की खरीदारी का अवसर मिला। पीडीसी चित्रा बहादुर एवं रसिका बहादुर ने आयोजन की मय्यता और शानदार व्यवस्थाओं की सराहना की। कार्यक्रम का आकर्षक एवं मनोरंजक मंच संचालन सिपल राठी एवं मीनल जैन ने किया। दोनों की खूबसूरत और मजेदार पेंकरिंग ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा और सभी को अंत तक बांधे रखा। आयोजन में पीपी नताशा दुआ, राखी नगरिया, अंजू शाह, गुणप्रीत कौर, कुलजीत कश्यपवाल, मिताली वैद एवं रवेहा मितल सहित अन्य सदस्याओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

● गर्ल्स कॉलेज में विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन, सुरक्षा उपायों के दिए गए जरूरी टिप्स

छात्राओं को दी जा रही शारीरिक शिक्षा, क्लॉक और एंटी क्लॉक वाइज व्यायाम के वैज्ञानिक और आधुनिक तरीकों की दी जानकारी

गर्ल्स कॉलेज के कीड़ा विभाग द्वारा योग और व्यायाम को लेकर एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्राओं को आत्मरक्षा, शारीरिक सुरक्षा को लेकर योग और व्यायाम के बारे में जानकारी दी गई। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में महाविद्यालय की सभी छात्राओं को शारीरिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए फीट महाविद्यालय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की कीड़ा अधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने सभी छात्राओं एवं स्टाफ को व्यायाम करने का वैज्ञानिक तरीका बताते हुए वैज्ञानिक पद्धति से सर से लेकर पैर तक सभी अंगो का क्लॉक वाईज एवं एंटी क्लॉक वाईज व्यायाम कराया।



दुर्ग। कार्यक्रम में भूतपूर्व छात्रा द्वारा गुरु ज्ञान कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें भूतपूर्व छात्रा सोनम राजभार शासन द्वारा अधिकृत आत्म रक्षा प्रशिक्षक है, को आमंत्रित किया गया। सोनम राजभार ने छात्राओं को विपरीत परिस्थिति में स्वयं की रक्षा करने हेतु कौन-कौन सी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए, कैसे स्वयं को उसके चंगुल से मुक्त करना चाहिए उनके कौन-कौन से अंगों को चोट कर हम स्वयं की रक्षा कर सकते है बताया एवं प्रायोगिक रूप से करके दिखाया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. केएल राठी ने आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आप किसी न किसी खेल को चुनो और और उसे खेल, जीतना



नहीं खेलना जरूरी है। महाविद्यालय कीड़ा समिति की संयोजिका डॉ. सुषमा यादव ने छात्राओं को कहा यहां-वहां बैठक के समय व्यर्थ करने से अच्छा है. आप खेलों में अपना समय व्यतीत हो और खुद का व्यक्तित्व निखारें। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापकाएं डॉ. मोनिया राकेश, ज्योति भरणे, डॉ. विजय कुमार वासनिक, अरविन्द लोखण्डे, दीपक ठाकुर, डॉ. वैभवशंकर सोनी, शाश्वत तिवारी, सुनिता तिवारी एवं लगभग 45 छात्राओं ने मौसम खराब होने के बाद भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे कीड़ा अधिकारी ने किया। कार्यक्रम आयोजन में विजय चन्द्राकर, विनोद ठाकुर, रामदास ने सहयोग दिया। इस अवसर पर योग और सूक्ष्म व्यायाम का



प्रशिक्षण दिया जा रहा है। छात्राओं ने पूरे मनोयोग से

व्यायाम का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षकों ने कहा कि इससे उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा। योग और व्यायाम के लिए यह सबसे उपयुक्त समय है। छात्राओं ने स्वयं विचार-विमर्श करने के बाद प्रतिदिन व्यायाम करने का निर्णय लिया।योग के बाद छात्राओं को इसके लाभ बताए। उन्होंने बताया कि योग करने से रक्त संचार बेहतर होता है, शरीर में गर्मी और ऊर्जा आती है, मांसपेशियों की जकड़न दूर होती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और मानसिक तनाव कम होता है। इससे आलस्य और सर्दी से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है, जिससे शरीर सक्रिय और ऊर्जावान बना रहता है। उन्होंने यह भी बताया कि सूर्य नमस्कार और प्राणायाम जैसे अभ्यास विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं, क्योंकि ये आंतरिक ऊष्मा पैदा करते हैं और श्वसन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं।

स्कूलों में भी योग, व्यायाम और खेलों को किया जाएगा प्रोत्साहित



स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि आगामी दिनों में स्कूलों में भी आत्मरक्षा, मयमुक्त रहने के लिए योग, व्यायाम और खेलों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए पहले पीटीआई शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। योग के अलावा खेल, मार्चपॉस्ट, बैड, कराटे का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से स्कूली बच्चों को दिया जाएगा। विशेष रूप से छात्राओं की सहभागिता बढ़ाई जाएगी। उन्हें आत्मरक्षा के साथ मयमुक्त करने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। खेलों को प्रोत्साहन देने की दिशा में भी काम किया जाएगा। मंत्रोच्चार के माध्यम से मन की शांति, एकाग्रता और और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में भी काम शुरू किया जा रहा है। इतना ही नहीं आगामी दिनों में हर शनिवार बैंगलेस डे शुरू करने की भी तैयारी है। इसके जरिए हम देश के 30 से ज्यादा महापुरुषों और हमारे तीज-त्योहारों के बारे में स्कूली स्तर पर बच्चों को जानकारी देंगे। इस पर काम किया जा रहा है। इसे लेकर सभी स्कूलों को जानकारी भी प्रेषित की गई है। हर स्कूली बच्चे को हमारे महापुरुषों और तीज-त्योहार की जानकारी होना आवश्यक है, इसलिए इसकी शुरुआत की जा रही है।

आईआईटी भिलाई को आरोहण पुरस्कार व रेशमा बानो को मिला विशिष्ट सेवा सम्मान

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 63वीं छमाही बैठक में आईआईटी भिलाई को राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रोत्साहन के लिए आरोहण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान की रेशमा बानो को उनके उत्कृष्ट एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 63वीं छमाही बैठक आयोजित

यह सम्मान संस्थान द्वारा राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना के रूप में प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि डॉ. महावीर शर्मा, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग एवं सदस्य राजभाषा प्रकोष्ठ, संस्थान के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी



अधिकारी और राजभाषा समिति के सदस्यों के सामूहिक परिश्रम का परिणाम है। इस उपलब्धि पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं निदेशक, प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने कहा कि यह सम्मान संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक

प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रभावी प्रयोग न केवल कार्यालयीन कार्यों को अधिक सुगम बनाता है, बल्कि संस्थान और समाज के बीच संवाद को भी सशक्त करता है। उन्होंने संस्थान के सभी सदस्यों से हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के रोजगार की ओर बढ़ते कदम, हो रहीं आत्मनिर्भर

धान और रेशम के धागों से सजी राखियां, बिहान की दीदियों ने हुनर से बुनी आत्मनिर्भरता, हर धागे में कड़ी मेहनत

कानर न्यूज

दुर्ग। रक्षाबंधन के पर्व पर बिहान से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं का हुनर इस बार राखियों के रूप में नई पहचान बना रहा है। दुर्ग के ग्राम बोरई की भाग्यलक्ष्मी स्व-सहायता समूह की सदस्य धनेश्वरी साहू ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध धान एवं उससे संबंधित सामग्री से आकर्षक राखियां तैयार की हैं। वहीं विकासखंड पाटन के ग्राम भनसुली की निवासी संतोषी साहू और अंजू साहू रेशम के धागों, रंग-बिरंगे मोतियों और आकर्षक डिजाइनों से हस्तनिर्मित राखियां तैयार कर रही हैं। धनेश्वरी साहू ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए पारंपरिक राखी को नया स्वरूप दिया है। धान से तैयार इन राखियों में ग्रामीण परिवेश, रचनात्मकता और नवाचार का सुंदर मेल देखने को मिलता है। स्थानीय सामग्री के उपयोग से तैयार ये राखियां पर्यावरण के अनुकूल विकल्प को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और महिला उद्यमिता का संदेश भी दे रही हैं। भाग्यलक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ी धनेश्वरी द्वारा तैयार राखियों को स्थानीय बाजार और ग्राहकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इस गतिविधि से उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है और उनके हुनर को आजीविका से जोड़ने का अवसर मिला है।



रेशम के धागों और मोतियों से सजी राखियां

इसी तरह ग्राम भनसुली निवासी संतोषी साहू (वैष्णवी स्व-सहायता समूह) एवं अंजू साहू (रिद्धि-सिद्धि स्व-सहायता समूह) भी राखी निर्माण के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। दोनों महिलाएं रेशम के धागों, रंग-बिरंगे मोतियों और आकर्षक डिजाइनों से सुंदर हस्तनिर्मित राखियां तैयार कर रही हैं। इन राखियों में पारंपरिक कला और आधुनिक डिजाइन का सुंदर संगम देखने को मिलता है। हाथों से तैयार होने के कारण प्रत्येक राखी में महिलाओं की मेहनत, कल्पनाशीलता और रचनात्मकता की झलक दिखाई देती है। स्थानीय स्तर पर तैयार इन राखियों को लोगों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

महिलाओं के हुनर से शहर के बाजारों में भी डिमांड

इससे यह साबित होता है कि ग्रामीण महिलाओं का हुनर अब स्थानीय बाजार में कारोबार का रूप ले रहा है। धान से राखी तैयार करने वाली धनेश्वरी साहू और रेशम के धागों से खूबसूरत राखियां बनाने वाली संतोषी साहू एवं अंजू साहू की पहल यह साबित करती है कि बिहान से जुड़ी महिलाएं स्थानीय संसाधनों और अपने हुनर को रोजगार में बदलकर आत्मनिर्भरता की नई राह बना रही हैं।इन महिलाओं का प्रयास केवल राखी निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण, स्थानीय उद्यमिता, पर्यावरण संरक्षण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इनके हाथों से तैयार राखियां त्योहार की खूबसूरती बढ़ाने के साथ ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी भी कह रही हैं।

ऑर्डर से 50 हजार की बिक्री, ग्राम पंचायत में 25 हजार का कारोबार: बिहान की इन दीदियों के हुनर को अब बाजार भी पहचान दे रहा है। धनेश्वरी साहू, आर्टिफिशियल ज्वेलरी डिजाइनर का कार्य भी करती हैं और ऑर्डर के माध्यम से अब तक करीब 50,000 की बिक्री कर चुकी हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत स्तर पर लगभग 25,000 के उत्पादों की बिक्री भी की जा रही है।

लाइव इवेंट

सुरों के कैनवास पर उभरेंगे रवींद्र-नजरूल के रंग, भिलाई के 16 कलाकार देंगे सुरांजलि



भिलाई। बंगाल की सांस्कृतिक चेतना के दो महान स्तंभ कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर और विद्रोही कवि काजी नजरूल इस्लाम की अमर स्मृति को समर्पित भव्य संगीत-नृत्य आलेख्य सुरे कैनवासे का आयोजन रविवार को रवींद्र भवन, दमदम, कोलकाता में किया जाएगा। वैष्णवघाटा साधना, कोलकाता द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में दुर्ग-भिलाई के करीब 16 कलाकार गीत, नृत्य और आवृत्ति के माध्यम से दोनों महाकवियों की कालजयी रचनाओं को मंच पर जीवंत करेंगे। सुरे कैनवासे की संकल्पना संगीत के सुरों को एक ऐसे कैनवास के रूप में प्रस्तुत करती है, जिस पर रवींद्रनाथ और नजरूल की भावनाओं, विचारों, मानवीय संवेदनाओं और सृजनशीलता के विविध रंग उभरते हैं। कार्यक्रम में गीत, नृत्य और आवृत्ति को एक सूत्र में पिरोकर तैयार किया गया है। कार्यक्रम को कोलकाता के वरिष्ठ कलाकार सतीनाथ मुखोपाध्याय एवं मिताली बैनर्जी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संवारा गया है। इसके मंच के रूप में भिलाई के विश्वजीत सरकार, रांची की लिली मुखर्जी, जमशेदपुर के संदीप दास तथा धनबाद की समिता भट्टाचार्य सहित अनेक प्रतिष्ठित कलाकार अपनी सहभागिता देंगे। इस आयोजन में भिलाई की सांस्कृतिक संस्था रवींद्र सुधा की विशेष सहभागिता रहेगी। संगीत गुरु विश्वजीत सरकार के नेतृत्व में भिलाई के 16 गायक-गायिकाएं रवींद्रनाथ ठाकुर और काजी नजरूल इस्लाम की कालजयी रचनाओं एवं स्वरबद्ध गीतों के माध्यम से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। भिलाई के कलाकारों में संचयिता राय, चैताली पाल, अनिता मुखर्जी, सुचिता मुखर्जी, सुमिता डे, महआ भौमिक, आल्पना तालुकदार, बनानी विश्वास, संगीता चटर्जी, प्रतिमा दरीपा, सोमा राय, भाश्वती बोस, श्रावणी दास, सुतापा पात्र, रनबीर पाल एवं मणिमय मुखर्जी शामिल हैं। भिलाई के इन कलाकारों की सामूहिक प्रस्तुति छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरती की ओर से रवींद्र-नजरूल को भावपूर्ण सुरांजलि होगी। रवींद्र संगीत की कोमल भावधारा और नजरूल गीतों की विद्रोही चेतना का संगम दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा।

सिटी इवेंट

कैलाश नगर के त्रिपाठी परिवार ने देहदान का लिया संकल्प



दुर्ग। कैलाश नगर निवासी त्रिपाठी परिवार ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और मानव सेवा की भावना का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आज देहदान का संकल्प लिया। परिवार के चार सदस्यों ने अपनी देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों कुलवंत भाटिया, राज आदित्या, हरमन दुलई, प्रभु दयाल उजाला एवं सपन जैन को सौंपी। देहदान का संकल्प लेने वालों में मनोज कुमार त्रिपाठी, उनकी मा सावित्री देवी, पुत्र अनमोल त्रिपाठी एवं पत्नी संगीता त्रिपाठी शामिल हैं। परिवार की ओर से नम्रता, अर्चना एवं अमृता ने भी अपनी सहमति प्रदान करते हुए मानव सेवा के इस महान निर्णय का समर्थन किया। मनोज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वे कुछ समय पूर्व अपने एक परिचित के अंतिम संस्कार में मुक्तिधाम गए थे। वहां उन्होंने नवदृष्टि फाउंडेशन का देहदान संबंधी फलेक्स देखा। इससे उनके मन में देहदान का विचार आया। उन्होंने इस विषय पर अपने परिवार से चर्चा की और परिवार के सभी सदस्यों ने सहमति जताते हुए देहदान का संकल्प लेने का निर्णय किया। अनमोल त्रिपाठी ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बाद से वे अस्वस्थ चल रहे हैं, लेकिन उनके मन में समाज के लिए कुछ करने का जज्बा हमेशा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि मेरे जाने के बाद भी मेरा शरीर किसी के अध्ययन और चिकित्सा शिक्षा के काम आ सके, तो इससे बड़ा समाजहित मेरे लिए कुछ नहीं हो सकता। इस अवसर पर कुलवंत भाटिया ने कहा कि त्रिपाठी परिवार विषम परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहा है। ऐसी परिस्थितियों के बावजूद समाज और मानव सेवा के प्रति सकारात्मक सोच रखना उनके बड़े हृदय और संवेदनशीलता का परिचायक है। इस अवसर पर अनिल बल्लेवार, प्रवीण तिवारी, मुकेश आदित्या, हरमन दुलई, रितेश जैन, राजेश पारख, प्रभु दयाल उजाला, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी सहित अन्य मौजूद थे।

बाल को फूंक मारकर दूसरी प्लेट में डालो स्पर्धा में पूर्णिमा विजेता

दुर्ग। आदर्श महिला समिति केन्द्रीय कर्मचारी नगर के तत्वावधान मे हरियाली उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम मे समिति की अध्यक्ष इन्दु ढोक ने महिलाओं का स्वागत पुष्प देकर किया। महिलाओं को हल्दी, कुमकुम लगाकर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत खेल प्रतियोगिता से हुई। बाल को फूंक मारके दूसरी प्लेट मे डालो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूर्णिमा टंडन ने प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर रेणुका रही। हौजी में प्रथम अनिता वर्मा, द्वितीय रेखा पराते रही। इस कार्यक्रम की हरियाली क्वीन पावती देशमुख रही। सभी प्रतियोगिता विजेता को पुरस्कार वितरण किया गया। महिलाओं ने गीत गाए। नृत्य भी किया। सभी महिलाएं खुशी से झूम उठीं। महिलाओं ने रैप वाक भी किया। इसके बाद कार्यक्रम मे भोजन की व्यवस्था की गई। सभी महिलाओं ने भोजन किया। कार्यक्रम के अंत मे उपस्थित सभी महिलाओं को उपहार दिया गया। इस कार्यक्रम में विशाखा खापडे, ललिता मून, बबिता रोडो, प्रमिला खापडे, ज्वाला वंजारी, खिरन शर्मा, निर्मला महाजन, गीता प्रसाद, राजश्री बासवे, शोभा ढारगावे, अरुणा बारसागडे, अनिता रामटेके, रश्मि सेतार, वैशाली मेश्राम, मोनिषा पाटील, प्रेमला भरने, राधिका यादव, सुषमा मलिक सहित अन्य मौजूद थे।

● खारून नदी तट से शिवनाथ नदी तक जगह-जगह आयोजन, 12 ज्योतिर्लिंगों की झांकी रही आकर्षण

सावन के आखिरी सोमवार जगह-जगह रुद्राभिषेक कांवड़ यात्रा निकालकर भोलेनाथ को चढ़ाया जल

मिलाई/दुर्ग। सावन महीने के अंतिम सोमवार को भक्तों का रेला भगवान भोलेनाथ की अराधना के लिए उमड़ा। जगह-जगह रुद्राभिषेक का कार्यक्रम हुआ। कांवड़ यात्रा निकली, जिसमें गाजे-बाजे के साथ लोगों ने भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा अर्चना की। आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। खारून नदी से लेकर शिवनाथ नदी तक देवालयों में भगवान भोलेनाथ के जयकारे की गूंज सुनाई दी। सुबह से ही भक्तों का रेला प्राचीन शिवमंदिरों की ओर बढ़ चला। सुबह होते-होते कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया।

अग्रवाल समाज का संगीतमय रुद्राभिषेक

अग्रवाल समाज के तत्वाधान में अग्रसेन भवन में संगीतमय रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। पूरा अग्रसेन भवन हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। अध्यक्ष ललित सेक्सरिया एवं महासचिव प्रहलाद रंगटा ने बताया कि कार्यक्रम का सबसे प्रमुख आकर्षण अग्रसेन भवन हॉल में बनाई गई 12 ज्योतिर्लिंगों की भव्य एवं मनोहरी प्रतिकृति रही। 51 दंपती ने विधि विधान से भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया। संरक्षक कैलाश रंगटा एवं गौरी शंकर अग्रवाल ने बताया कि पंडित अभिषेक पांडे के द्वारा पूरे विधि विधान से रुद्राभिषेक किया गया। पंडितों के मंत्र उच्चारण के बीच सभी जोड़ों ने दूध दही घी शहद गंगाजल बेलपत्र सहित शिव जी के प्रिय 21 सामग्रियों से अभिषेक किया गया। इसके बाद बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया। इस रुद्राभिषेक महोत्सव में श्रद्धा भक्ति उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रत्येक जोड़े के चेहरे पर भक्ति और कृतार्थता का भाव स्पष्ट झलक रहा था। अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष नीलू



अग्रवाल एवं युवा मंडल के महासचिव रजत मुनचुन युथ क्लब के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने बताया कि रुद्राभिषेक में अलौकिक क्षण था जब उज्जैन महाकाल की तर्ज पर दिव्य भस्म आरती हुई। जैसे ही भस्म से भगवान का श्रृंगार कर आरती प्रारंभ की पूरा भवन में हर-हर महादेव की गगन भेदी गंजना गूंज उठी। इसके बाद 51 सज्जी हुई शालियों से मां पावती एवं शिव की आरती की गई। मौडिया प्रमुख मनोज अग्रवाल ने बताया कि भजन मंडली द्वारा मधुर भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसमें उपस्थित भक्तों ने जम कर नृत्य किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महेंद्र सक्सेरिया, विजय अग्रवाल, संजय रंगटा, संजय गर्ग, विनोद रानी सती, पंकज कृतिका, प्रेम अग्रवाल, नंदलाल राजगढ़िया, सुरारी अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।



7 हजार कांवड़ियों की सेवा की केदार सेवा समिति ने, बांटा गया खीर, छोला-चावल और फल का प्रसाद

भिलाई। श्रावण मास के पावन अवसर पर केदार सेवा समिति द्वारा शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के द्वारा आयोजित यात्रा में यात्रियों की सेवा के लिए विशेष आयोजन किया गया। समिति की ओर से लगभग 7000 कांवड़ियों और राहगीरों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। कांवड़ यात्रा के दौरान दूर-दराज से आने वाले शिवभक्तों के लिए समिति के सदस्यों एवं सेवा भावी कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर सेवा की। कांवड़ियों को श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया गया तथा उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। समिति के अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने बताया कि कांवड़ियों की सेवा को भगवान शिव की सेवा के समान मानते हुए यह आयोजन किया गया। समिति के इस आयोजन का लगातार तीसरा वर्ष है। प्रसाद में खीर, हलवा, चावल, सब्जी और फल वितरण किए। संख्या में श्रद्धालुओं ने सेवा कार्य में अपना सहयोग दिया और पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर समिति के भोजराज सिन्हा, प्रशांत चौबे, शशिकांत सिंह, संदीप उपाध्याय, दीपक शर्मा, पंकज राजपूत, जौनु शर्मा आदि उपस्थित थे।



कांवड़ यात्रा में शामिल हुए विधायक ललित



भिलाई। विधायक ललित चंद्राकर शिवनाथ नदी महमरा एनिकट में बोल बम कांवड़ यात्रा समिति संयोजक उपकार चंद्राकर के नेतृत्व में आयोजित श्री शिवनाथ कांवड़ यात्रा और महाआरती में शामिल हुए। विधायक ने भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और सुखहाली को कामना की। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के गगनभेदी जयकारों के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने शिवनाथ नदी में आस्था की डुबकी लगाई। कांवड़ियों ने पवित्र जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। संख्या बेल में हुई भव्य महाआरती में हजारों दीपों से पूरा घाट जगमगा उठा। वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि शिवनाथ कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक आस्था और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इस अवसर पर श्री शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के संयोजक उपकार चंद्राकर, समिति के पदाधिकारीगण, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।



बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा कांवड़ यात्रा



भिलाई। सावन के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में भव्य और विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा की शुरुआत दुर्ग स्थित शिवनाथ नदी तट से हुई। यहां विधायक देवेन्द्र यादव ने पवित्र नदी में आस्था की डुबकी लगाई और विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर कांवड़ में पवित्र जल भरा। इस कांवड़ यात्रा में भिलाई, दुर्ग और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में शिवभक्त और श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा यात्रा मार्ग भगवा मय नजर आया। पारंपरिक बाजों, भक्तिमय भजनों और आकर्षक झांकियों के साथ पूरी यात्रा बोल बम और हर-हर महादेव के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठी। कांवड़ यात्रा शिवनाथ नदी तट से प्रारंभ होकर प्राचीन शिव मंदिर देवबलौदा पहुंची। महामृत्युंजय मंत्रोच्चार के साथ भगवान भोलेनाथ का विशेष रुद्राभिषेक और महाजलाभिषेक किया गया।

■ विधायक देवेन्द्र यादव ने लगाई डुबकी

शिवनाथ से कॉन्ट्रैक्टर कॉलोनी तक निकली कांवड़ यात्रा

भिलाई। श्री शिव विकास कल्याण समिति के तत्वावधान में सोमवार को शिवनाथ नदी से शिव मंदिर कॉन्ट्रैक्टर कॉलोनी तक कांवड़ यात्रा निकाली गई। श्रद्धा और उत्साह से सराबोर यात्रा में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष शिवभक्त शामिल हुए। पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और भगवान भोलेनाथ के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने कांवड़ यात्रा की शुरुआत की। कांवड़ यात्रियों ने शिवनाथ नदी से पवित्र जल भरा और कांवड़ लेकर शिव मंदिर कॉन्ट्रैक्टर कॉलोनी पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का विधिवत जलाभिषेक किया। यात्रा के दौरान महिला शिवभक्तों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही, जिससे आयोजन और अधिक भव्य नजर आया। आयोजन में भिलाई निगम के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने विशेष सहयोग प्रदान किया। समिति अध्यक्ष लक्ष्मण वर्मा, सचिव दिनेश वर्मा, उपाध्यक्ष हेमलाल साहू, कोषाध्यक्ष तुलसीराम बंजारे, सदस्य रोहित वर्मा और महासचिव रामचंद्र साहू सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।



विभिन्न स्थानों पर कांवड़ यात्रा का स्वागत

भिलाई। भिलाई से कांवड़ यात्रा का आयोजन खारून नदी से जल लेकर शिवनाथ नदी तक किया गया। श्रद्धालुओं ने आस्था और भक्ति के साथ कांवड़ में जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जयघोष करते हुए यात्रा में सहभागिता की। भिलाई और दुर्ग के विभिन्न स्थानों पर कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। कांवड़ियों को फल एवं शील जल वितरित कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। शिवनाथ नदी से जल लेकर मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक एवं महाभिषेक किया गया। इसके पश्चात विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं भव्य आरती में शामिल होने का मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पावन अवसर पर दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू, प्रदेश महामंत्री अशोक सिन्हा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक आदि उपस्थित थे।



केंद्रीय विद्यालय में 10 करोड़ नशामुक्ति शपथ अभियान चलाया गया

स्वस्थ और सकारात्मक जीवन अपनाने नशे से रहें दूर समाज को नशामुक्त बनाने 2200 विद्यार्थियों ने लिया संकल्प

कार्न न्यूज

भिलाई। देश को नशामुक्त बनाने के संकल्प के साथ चलाए जा रहे 10 करोड़ नशामुक्ति शपथ अभियान के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए विशेष नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 2200 विद्यार्थियों एवं सभी शिक्षकों ने सहभागिता करते हुए नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डॉकै चैतन्य प्रभा ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशामुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, कार्यक्षमता और पूरे समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को दृढ़ संकल्प के साथ नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाना चाहिए।



नशे पर रोक लगाने इच्छाशक्ति जरूरी

इस अवसर पर डॉ. अजय आर्य ने कहा कि नशे से मुक्ति केवल किसी एक व्यक्ति का संकल्प नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि नशे को जीवन में प्रवेश न दें और अपने मित्रों, परिवार तथा आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ युवा ही स्वस्थ राष्ट्र की आधारशिला है।

नशे के दुष्प्रभावों से विद्यार्थियों को किया सचेत

विद्यालय की प्राचार्य पूष्पा बडा ने नशे के दुष्प्रभावों से विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा कि विद्यार्थी स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करते रहें। उन्होंने कहा कि जागरूकता, आत्मसंयम और दृढ़ इच्छाशक्ति के माध्यम से नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। कार्यक्रम में प्रभा धारिणी साहू, जाकिर और राजा सहित बहामकुमारी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अजय आर्य एवं पुरुषोत्तम साहू ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

सिटी स्पोर्ट्स

राजेश दवे बने भारतीय महिला टीम के मैनेजर, टी-20 एशिया कप में संभालेंगे जिम्मेदारी

रायपुर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव और रणजी खिलाड़ी राजेश दवे को आगामी महिला टी-20 एशिया कप-2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मैनेजर नियुक्त किया है।

श्री दवे इससे पहले वर्ष 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौर के दौरान भी भारतीय महिला टीम के मैनेजर की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। महिला टी-20 एशिया कप का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर 2026 तक दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, संयुक्त अरब अमीरात में होगा। भारतीय टीम ग्रुप ए में पाकिस्तान, हांगकांग और थाईलैंड के साथ है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय टीम 3 सितंबर को हांगकांग और 5 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा। राजेश दवे के पास क्रिकेट प्रशासन और टीम प्रबंधन का लंबा अनुभव है। उनकी नियुक्ति से भारतीय महिला टीम को बेहतर मार्गदर्शन और मजबूत संगठनात्मक सहयोग मिलने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने श्री दवे को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए विस्वास जताया कि उनकी देखरेख में भारतीय महिला टीम एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाएगी।

रायपुर में ब्लैक बेल्ट टेस्ट, 43 विद्यार्थियों ने हासिल की सफलता



रायपुर। जिला रायपुर फीनिक्स शितोरियु कराटे-डो एसोसिएशन की ओर से 23 अगस्त को ब्लैक बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 43 विद्यार्थियों ने विभिन्न डॉन स्तरों में ब्लैक बेल्ट हासिल की। ब्लैक बेल्ट टेस्ट का मूल्यांकन रेन्शी अमल तालुकदार ने किया। वे छत्तीसगढ़ शासन के हनुमान सिंह पुरस्कार से सम्मानित हैं और फीनिक्स शितोरियु कराटे-डो एसोसिएशन इंडिया के प्रमुख तथा 6वें डॉन ब्लैक बेल्ट धारक हैं। उनके अनुभव, तकनीकी दक्षता और निष्पक्ष मूल्यांकन के चलते परीक्षा महत्वपूर्ण रही। परीक्षा में प्रथम डॉन के 26, द्वितीय डॉन के 11, तृतीय डॉन के 5 और चतुर्थ डॉन के 1 विद्यार्थी सफल रहे। इस अवसर पर जिला रायपुर फीनिक्स शितोरियु कराटे-डो एसोसिएशन के शिहान मनीष बाग, सेंसेई संजय कुमार ठाकुर और सेंसेई राजू धीवर उपस्थित रहे। शिहान मनीष बाग ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ब्लैक बेल्ट केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

पॉवर-स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में निसार अहमद और मधु अहीर बने स्ट्रॉन्गेस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ पॉवर लिफ्टिंग एवं स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन (म.) के तत्वावधान में रायपुर में पॉवर एंड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयुवर्ग के खिलाड़ियों ने पॉवर एवं स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के महासचिव माणिक ताप्रकार ने बताया कि प्रतियोगिता में निसार अहमद को स्ट्रॉन्ग मैन ऑफ इंडिया और मधु अहीर को स्ट्रॉन्ग वुमेन ऑफ इंडिया का खिताब मिला। दोनों विजेताओं को मुख्य अतिथि ताप्रकार युवा समाज के अध्यक्ष धीरज ताप्रकार तथा प्रदेश बांडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गेश साहू ने क्रमशः 7 हजार और 5 हजार रुपए के नकद पुरस्कार तथा 5 फीट ऊंचे बिग कप से सम्मानित किया। पुरुष वर्ग में जूनियर स्ट्रॉन्ग मैन का खिताब यशवर्धन सोनी, सब-जूनियर में ओडिशा के असीम बेहरा और मास्टर वर्ग में निशार अहमद ने हासिल किया। महिला वर्ग में जूनियर की विजेता मधु अहीर, सब-जूनियर में अंकिता राठौर और मास्टर वर्ग में जबलपुर की मंजुलता इंग्ले रहीं। प्रतियोगिता में पुरुषों के पॉवर लिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक विजेताओं में नवीन चंद्र कपूर, प्रतीक चंद्राकर, रोहित जेथिया, असीम बेहरा, यशवर्धन सोनी, पीयूष यादव, योगेश साहू, हेमचंद्र कोराम, शंख सैफुल्लाह, हर्ष गोस्वामी, विवेक जांगड़े, अमित बेहरा, गुरपीत छाबड़ा, सुमित बघेल, निसार अहमद, मयंक सोनी, जयनारायण अग्रवाल, प्रवीण पटेल, रवींद्र माकर, दीपान्कर घोष, तुषार श्रीवास्तव, तपिश टेंभरे, संदीप पैकरा और अमन पोद्दार शामिल रहे। महिला वर्ग में भी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम : ग वर्ग में स्वर्ण पदक विजेताओं में माही गुप्ता, अंकिता राठौर, नम्रता नायक, पायल महापात्र, मंजू इंग्ले, शकुंतला तांती, मधु अहीर, हाजरा बानो, बरसा मोदक और बबली दुबे शामिल रहीं। सिल्वर मेडल संजना भनैट ने हासिल किया। स्ट्रेंथ लिफ्टिंग के पुरुष वर्ग में यश काची, तेजस हेडउ, तुषार श्रीवास्तव, वंश सहगल, सौरभ यादव, हर्ष गोस्वामी, प्रदीप पटेल, आकाश चंद्राकर, मयंक सोनी, रविशंकर दुबे और रॉबर्ट एम. कामरा ने स्वर्ण पदक जीते।

दवाई का असर कम हो सकता है या इसके बुरे प्रभाव बढ़ सकते हैं

दवाई खाते समय न करें ये गलतियां, वरना... पड़ सकता है स्वास्थ्य पर बुरा असर

दवाई का सेवन हमारी

सेहत को ठीक करने के लिए

जरूरी है। हालांकि,

कई बार हम अनजाने

में कुछ ऐसी गलतियां

कर बैठते हैं, जो

हमारी सेहत पर बुरा

असर डाल सकती हैं।

इन गलतियों के कारण

दवाई का असर कम

हो सकता है या इसके

बुरे प्रभाव बढ़ सकते

हैं। आइए आज हम

आपको दवाई खाते

समय की जाने वाली

गलतियों और इनसे

जुड़ीं सावधानियों के

बारे में बताते हैं, जिनसे

आप अपनी सेहत को

बेहतर रख सकते हैं।



खाली पेट दवाई लेना

खाली पेट दवाई लेना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं। इससे आपके पेट पर बुरा असर पड़ सकता है और आपको उल्टी, जो मिचलाना या पेट दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा दवाई लेने से पहले या बाद में कुछ खाना चाहिए, ताकि आपका पेट भरा रहे और दवाई सही तरीके से काम कर सके। इससे आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे और आप जल्दी ठीक हो सकेंगे।

पानी के साथ न लेना

दवाई को पानी के साथ न लेना भी एक बड़ी गलती हो सकती है। कई लोग दवाई लेते समय सिर्फ सूखे मुंह से ही इसे निगल लेते हैं, जिससे दवाई गले में अटक सकती है या सही तरीके से पच नहीं पाती। हमेशा दवाई को पानी के साथ लेना चाहिए, ताकि यह आसानी से आपके शरीर में पहुंच सके और सही तरीके से अपना काम कर सके। इससे आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे और आप जल्दी ठीक हो सकेंगे।

उल्टी आने पर अपनाएं घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम और बेहतर होगी तबीयत

उल्टी एक आम समस्या है, जो कई कारणों से हो सकती है। यह अक्सर खाने की गलतियों, संक्रमण या पेट की समस्याओं के कारण होती है। उल्टी आने पर पेट में मचलन और जी मचलना जैसी असहजता महसूस होती है। इस स्थिति में कुछ सरल और असरदार घरेलू उपाय आपको मदद कर सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप जल्दी राहत पा सकते हैं और अपने शरीर को तरलता दे सकते हैं। आइए इसके लिए कुछ तरीके जानते हैं।

अदरक का सेवन करें

: अदरक का सेवन उल्टी आने पर बहुत फायदेमंद हो सकता है। अदरक में ऐसे गुण होते हैं, जो पेट की मचलन को कम करते हैं और उल्टी की भावना को दूर करते हैं। आप ताजा अदरक का एक छोटा टुकड़ा चबा सकते हैं या अदरक वाली चाय पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और उल्टी की भावना कम होगी, जिससे आपको जल्दी राहत मिलेगी। आप सूखी अदरक भी खा सकते हैं।

नींबू पानी पिएं : नींबू पानी भी उल्टी आने पर एक अच्छा घरेलू उपाय हो सकता है। नींबू में विटामिन-C होता है, जो शरीर को ऊर्जा देता है और पेट को

ठंडक पहुंचाता है। एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से पेट को आराम मिलता है और उल्टी की भावना कम होती है। यह पेय न केवल ताजगी प्रदान करता है, बल्कि आपके शरीर को तरलता भी देता है, जिससे आपको जल्दी राहत मिलती है।

पुदीने की चाय पिएं :

पुदीने की चाय भी उल्टी आने पर एक अच्छा उपाय हो सकती है। पुदीने में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो पेट की मचलन को कम करते हैं और उल्टी की भावना को दूर करते हैं। एक कप गर्म पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां डालकर 5-10 मिनट तक छोड़ दें, फिर इसे छानकर पीएं। इससे पेट को आराम मिलेगा और आपको जल्दी राहत मिलेगी, जिससे आप बेहतर महसूस करेंगे।

केला खाएं : केला एक पौष्टिक फल है, जिसे आप आसानी से खा सकते हैं। केला पोटेशियम से भरपूर होता है, जो शरीर को ऊर्जा देता है और पेट को ठंडक पहुंचाता है। अगर आपको उल्टी आ रही है तो एक पका हुआ केला खाएं या उसका स्मूदी बनाकर पीएं। इससे आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा और आपको जल्दी राहत मिलेगी।



कार्नर न्यूज

हाई कोलेस्ट्रॉल की

समस्या आजकल

काफी आम हो गई है।

खराब खानपान,

फिजिकल एक्टिविटी

की कमी शरीर में बैड

कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता

है। हाई कोलेस्ट्रॉल लंबे

समय तक बना रहे तो

हार्ट हेल्थ पर भी असर

पड़ सकता है। ऐसे में

दवाओं के साथ सही

डाइट लेना भी बेहद

जरूरी है। डॉक्टर शुभम

वत्स के मुताबिक,

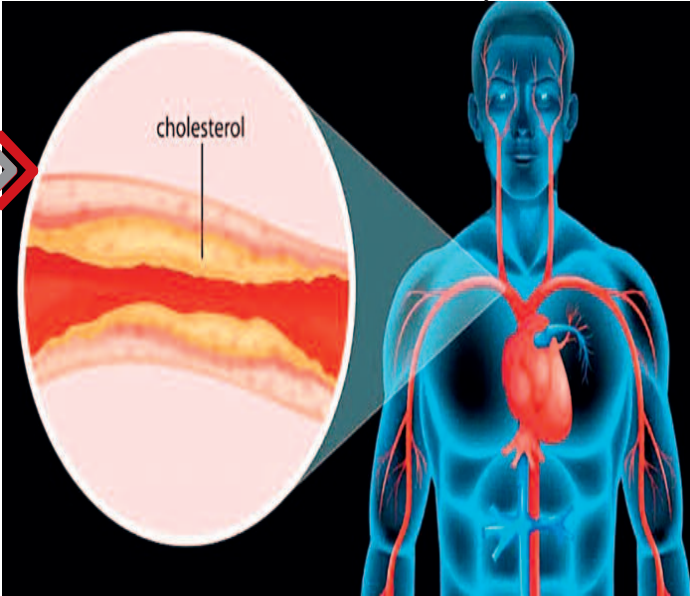
डाइट में कुछ हेल्दी

फूड्स शामिल करके

कोलेस्ट्रॉल लेवल को

कंट्रोल करने में मदद

मिल सकती है।



इन फूड्स को शामिल करें

ओट्स: कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में ओट्स फायदेमंद है। ओट्स में बीटा ग्लूकॉन नामक सॉल्यूबल फाइबर पाया जाता है जो पेट में जाकर जेल जैसा पदार्थ बनाता है। यह जेल कोलेस्ट्रॉल को बांध लेता है और मल के जरिए शरीर से बाहर निकल जाता है। हालांकि, मार्केट के फ्लेवर वाले ओट्स की खरीदने की बजाय स्टील कट या रोलड ओट्स का इस्तेमाल करें। फ्लेवर वाले ओट्स में चीनी, नमक और केमिकल होती हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं।



जेन जेड को क्यों हो रही है ज्यादा बाल झड़ने की समस्या? जानिए कुछ संभावित कारण

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, हाल के अध्ययन बताते हैं कि जनरेशन जेड यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों में बालों का झड़ना तेजी से बढ़ रहा है। यह समस्या खासकर महिलाओं में अधिक देखी जा रही है। आइए जानते हैं कि क्यों बालों का झड़ना जेन जेड के लोगों में अधिक देखा जा रहा है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्य : जेन जेड के लोग अक्सर मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मुद्दे उनके जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। इन समस्याओं का असर न केवल मानसिक, बल्कि शारीरिक सेहत पर भी पड़ता है। बालों का झड़ना भी इसका एक लक्षण हो सकता है। जब व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान होता है तो उसका शरीर भी प्रभावित होता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव : सोशल मीडिया ने जेन जेड पर गहरा असर डाला है। वे अपने जीवन की हर छोटी-बड़ी



घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं और दूसरों की तुलना करते हैं। इससे उन्हें आत्म-सम्मान की कमी और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं का असर उनके बालों पर पड़ता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर सुझाए उत्पाद चुनना भी एक कारण है।

गलत खान-पान और पोषण की कमी : आजकल के लोग फास्ट फूड और जंक फूड का सेवन ज्यादा करते हैं, जो पोषण से भरपूर नहीं होते और शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। सही पोषण न मिलने से बाल कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। सही खान-पान से बालों की सेहत बेहतर हो सकती है। इसके लिए हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन युक्त आहार और पानी का सेवन बढ़ाना जरूरी है। साथ ही विटामिन और मिनरल की कमी को दूर करने पर ध्यान दें।

हेयर स्टाइलिंग उपकरणों का अत्यधिक उपयोग

हेयर स्टाइलिंग उपकरण, जैसे स्ट्रेटनर और कर्लर आदि का अत्यधिक उपयोग भी बालों के झड़ने का कारण बन सकता है। इन उपकरणों से बालों को सीधा या घुमा कर स्टाइल किया जाता है, लेकिन इनकी गर्मी से बाल कमजोर हो जाते हैं। इसलिए, इनका उपयोग कम से कम करें और प्राकृतिक तरीकों से हेयर स्टाइलिंग करें। इसके अलावा हेयर स्टाइलिंग के लिए प्राकृतिक उपायों का उपयोग करें, ताकि बाल स्वस्थ रहें और झड़ने की संभावना कम हो।

केमिकल युक्त हेयर उत्पाद का इस्तेमाल

बाजार में कई तरह के हेयर उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनमें रासायनिक तत्व होते हैं, जो बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। जेन जेड के लोग अक्सर इन उत्पादों का इस्तेमाल करते समय इनकी गुणवत्ता या सामग्री पर ध्यान नहीं देते, जिससे उनके बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं। इन कारणों से साफ है कि बालों का झड़ना जेन जेड के लोगों में एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जिससे निजात पाने के लिए उन्हें इन समस्याओं पर ध्यान देना होगा।

दवाओं के साथ सही डाइट लेना भी बेहद जरूरी है

हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददकर सकते हैं ये फूड्स, डाइट में करें शामिल

अखरोट

सभी डाई फ्रूट्स में अखरोट को हार्ट हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह प्लांट बेस्ड ओमेगा थ्री फैटी एसिड है जो शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। यानी, जब आप अपनी डाइट में अखरोट को शामिल करते हैं तो इससे खराब कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स आर्टीरीज की दीवारों को स्वस्थ और लचीला बनाए रखने में मदद करते हैं।

लहसुन

कच्चे लहसुन में एलिसिन नामक सल्फर कम्पाउंड पाया जाता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर, दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इसे कच्चा और खाली पेट खाना सबसे फायदेमंद माना जाता है।



ग्रीन टी:

ग्रीन टी वजन कंट्रोल करने के साथ कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करने में फायदेमंद है। ग्रीन टी में पाए जाने वाले कैटेचिन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं। इससे वजन नियंत्रित रहता है और शरीर का खराब कोलेस्ट्रॉल घटने में मदद मिलती है।

अलसी के बीज:

दिल की सेहत के लिए ओमेगा थ्री फैटी एसिड की इम्पोर्टेंस को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अलसी में मौजूद अल्फा-लिनोलेनिक एसिड नामक ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल की नसों को स्वस्थ रखता है, सूजन कम करता है और खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाकर ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

भारतीय संस्कृति को अपनाना उनके रिश्ते के लिए अच्छा रहा : प्रियंका



मुंबई। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी अदाकारी के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अपने पति निक जोनस के साथ अक्सर शानदार तस्वीरें शेयर करती हैं। दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि अगर निक ने भारतीय संस्कृति की कद्र नहीं की होती तो वह उनसे प्यार नहीं करती। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में निक जोनस के साथ अपनी सांस्कृतिक समझ के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि जब दो लोग अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं, तो एक-दूसरे की जड़ों का सम्मान करना जरूरी होता है। अभिनेत्री ने माना कि भारतीय संस्कृति को अपनाने उनके रिश्ते के लिए अच्छा रहा है। अभिनेत्री ने रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में दयालुता के महत्व पर भी जोर दिया। एक बातचीत में प्रियंका ने कहा ‘मुझे नहीं पता कि अगर वह ऐसा नहीं करते तो क्या मैं उनसे प्यार करती। किसी भी दो संस्कृति वाली कहानी या रिश्ते में यह एक बड़ी बात होती है। मुझे लगता है कि अपने पार्टनर की जड़ों का सम्मान करना बहुत जरूरी है।’ प्रियंका और निक अक्सर एक-दूसरे के सबसे बड़े सपोर्टर होने के साथ-साथ उन परंपराओं और कल्चर को अपनाने के बारे में बात करते रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में ‘साइकिल ऑफ लव’ के प्रीमियर के लिए न्यूयॉर्क में थीं, जो एक डॉक्यूमेंट्री है। इसके लिए उन्होंने एंजीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम किया है।

टॉलीवुड

तेजा के जन्मदिन पर हुई ‘जॉम्बी रेड्डी 2’ की घोषणा, साथ नजर आएंगी शनाया



साउथ सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा की बहुचर्चित फिल्म ‘जॉम्बी रेड्डी’ के सीक्वल की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने खास तौर पर एक्टर के जन्मदिन पर इस जानकारी को साझा किया है। फिल्म में तेजा के साथ एक मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस भी अपना साउथ डेब्यू करती नजर आएंगी। फिल्म ‘जॉम्बी रेड्डी 2’ तेजा सज्जा की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की जानकारी आज तेजा सज्जा के 31वें बर्थडे पर फैंस को सरप्राइज के रूप में दी गई। फिल्म ‘जॉम्बी रेड्डी 2’ में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में होंगे। ‘जॉम्बी रेड्डी 2’ की कास्ट में एक्ट्रेस शनाया कपूर भी शामिल हो चुकी हैं। इस फिल्म से शनाया, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करेंगी। वहीं, फिल्म में अभिनेता उपेंद्र भी अहम भूमिका में होंगे। फिल्म ‘जॉम्बी रेड्डी 2’ हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम, नेपाली के साथ-साथ जापानी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शनाया कपूर अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म ‘तू या मैं’ में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नाबिथार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था। इससे पहले शनाया 2025 में विक्रांत मेसी के साथ ‘आंखों की गुस्ताखियां’ में नजर आ चुकी हैं। तेजा सज्जा की फिल्म ‘जॉम्बी रेड्डी’ 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक्शन-कॉमेडी हॉरर फिल्म थी। यह तेलुगु सिनेमा की सबसे पहली जॉम्बी बेस्ड फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया था। फिल्म की कहानी एक गेम डेवलपर मारियो और उसके दोस्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई थी।

भोजपुरी

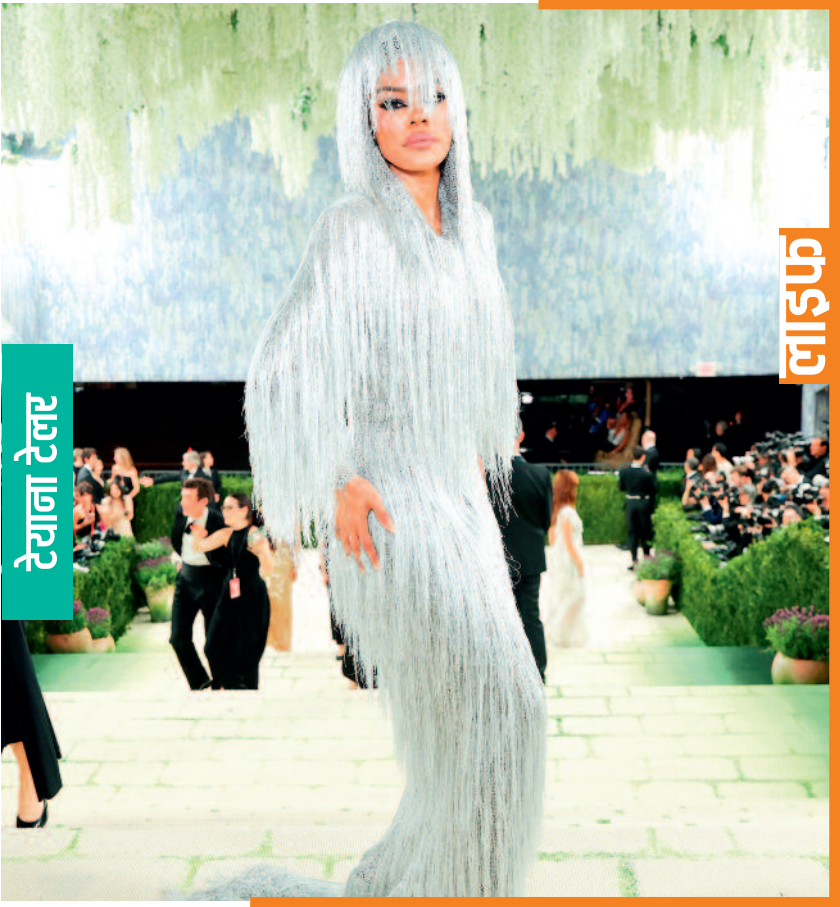
आम्रपाली का फूटा काजल पर गुस्सा



शो ‘भोजपुरी बवाल’ के एक एपिसोड में काजल राघवानी ने कहा था कि निरहुआ ने भोजपुरी फिल्म ‘आशिक आवारा’ के एक गाने से उन्हें हटया। काजल ने यह भी कहा कि गाने में आम्रपाली को लिया गया, ऐसा निरहुआ के कहने पर किया गया। इन आरोपों को निरहुआ ने शो में पूरी तरह से नकारा दिया। लेकिन, अब शो में फिल्म ‘आशिक आवारा’ की एंट्री हुई है, जानिए, इस मामले पर प्रोड्यूसर ने क्या कहा? प्रोड्यूसर प्रेम जी ने शो में काजल के आरोपों को नकार दिया। वह कहते हैं, ‘काजल आपको ऐसा किसने कहा। यह तो सरासर गलत है। अगर मैंने ऐसा कहा था तो यह आप साबित कीजिए।’ यह सुनते ही काजल राघवानी सकपका जाती हैं। जब प्रोड्यूसर अपनी बात कहते हैं तो आम्रपाली कहती हैं, ‘अब आप देखिए प्रोड्यूसर गलत, हीरो गलत। यहां बैठा हर आदमी गलत। बस वही (काजल राघवानी) एक सच्ची है।’ इसके बाद आम्रपाली रोने लगती हैं क्योंकि उन्हें बेवजह इस विवाद का हिस्सा बनना पड़ा था। रियलिटी शो ‘भोजपुरी बवाल’ में ही अभिनेत्री काजल राघवानी ने अभिनेता पवन सिंह पर भी बड़ा आरोप लगाया था। अभिनेत्री ने कहा था, ‘पवन सिंह का तुमको पता ही है। वहां उनका किसिंग सीन हुआ था, जबरदस्ती करवाया था। जबकि मैंने किसिंग सीन के लिए मना किया था तो वो सेंट छोड़कर चले गए थे। मैंने सबकी इज्जत की है लेकिन कोई इसके काबिल नहीं है।’ बता दें कि काजल राघवानी ने पवन सिंह, निरहुआ और खेसारी लाल यादव जैसे चर्चित भोजपुरी अभिनेताओं के साथ अभिनय किया है।

टेला

एक्ट्रेस टेयाना टेलर ने 2026 में गाला में खास सिल्वर फ्रिंज गाउन पहना था। फर्श तक लंबा यह गाउन पूरी तरह से लंबे, चमकदार मेटेलिक सिल्वर फ्रिंज से ढका हुआ है। इस लुक की खासियत एकदं टीग्रेटेड फ्रिंज हुड है, जो उनके बालों को ढकता है और उनके चेहरे पर आता है।



मोती के गहनों को साफ करने के लिए अपनाएं होम टिप्स, लगेंगे एकदम नए जैसे

मोती के गहने बेहद आकर्षक होते हैं और इन्हें पहनने से व्यक्ति का लुक निखर जाता है। हालांकि, समय के साथ ये गंदे हो जाते हैं और अपनी चमक खोने लगते हैं। इसलिए, अगर आपके पास मोती के गहने हैं तो आपको इन्हें साफ करने के लिए कुछ खास तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि इनकी चमक बरकरार रहे। आइए आज हम आपको मोती के गहनों को साफ करने के तरीके बताते हैं। मुलायम ब्रश और साबुन का करें इस्तेमाल : मोती के गहनों को साफ करने के लिए मुलायम ब्रश और साबुन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक गिलास पानी में थोड़ा-सा हल्का साबुन डालें। फिर इस मिश्रण में मुलायम ब्रश को डुबोकर हल्के हाथों से मोती के गहनों को साफ करें। ध्यान रखें कि गहनों पर ज्यादा जोर न दें, ताकि वे टूट न जाएं। इसके बाद गहनों को साफ पानी से धो लें और सूखे कपड़े से पोंछ लें।



अमोनिया का घोल आरगा काम : मोती के गहनों को साफ करने के लिए अमोनिया का घोल भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कपड़े में थोड़ी मात्रा में अमोनिया लेकर गहनों को हल्के हाथों से पोंछें। इससे गंदगी आसानी से निकल जाएगी और मोती की चमक भी बनी रहेगी। ध्यान रखें कि अमोनिया का घोल ज्यादा देर तक गहनों पर न रखें, क्योंकि इससे मोती कमजोर हो सकते हैं। साफ करने के बाद गहनों को हवा में सुखा लें।

अल्कोहल भी है मददगार

मोती के गहनों को साफ करने के लिए अल्कोहल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कपड़े में थोड़ी मात्रा में अल्कोहल लेकर गहनों को हल्के हाथों से पोंछ लें। इससे गंदगी आसानी से निकल जाएगी और मोती की चमक भी बनी रहेगी। ध्यान रखें कि अल्कोहल का ज्यादा इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे मोती कमजोर हो सकते हैं। साफ करने के बाद गहनों को हवा में सुखा लें।

पेशेवर सफाई सेवा लें

अगर आपके मोती के गहने बहुत गंदे हो गए हैं या उनमें कोई खास डिजाइन है, जिसे घर पर साफ करना मुश्किल हो रहा है तो पेशेवर सफाई सेवा लें। वे आपके गहनों को सुरक्षित तरीके से साफ करेंगे और उन्हें नया जैसा बना देंगे। इस तरह आप अपने मोती के गहनों को सुरक्षित तरीके से साफ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रख सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें ठीक तरह से स्टोर करना भी अहम है।

कपड़ों पर डिऑडेंट के दाग लग गए हैं तो घबराएं नहीं, इन आसान तरीकों से हटाएं

डिऑडेंट का इस्तेमाल करने से पसीना नहीं आता है और शरीर की दुर्गंध भी दूर रहती है। हालांकि, डिऑडेंट के दाग कपड़ों से साफ करना मुश्किल होता है। खासतौर से अगर डिऑडेंट के दाग हल्के रंग के कपड़ों पर लग जाएं तो वह कपड़ा देखने में गंदा लगता है।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप डिऑडेंट के दाग आसानी से साफ कर सकते हैं। नींबू का रस है असरदार : नींबू का रस डिऑडेंट के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए नींबू के रस को दाग वाले हिस्से पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर कपड़े को सामान्य तरीके से धो लें। अगर दाग ज्यादा गहरा है तो नींबू के रस के साथ खाने का सोडा मिलाकर लगाएं और 10 मिनट बाद इसे धो लें। इस प्रक्रिया से कपड़े के दाग हटाने में मदद मिलती है।



सिरका आरगा काम

सिरका एक बेहतरीन सफाई का पदार्थ है, जो डिऑडेंट के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में आधा कप सिरका मिलाएं और कपड़े को 30 मिनट के लिए उसमें भिगो दें। इसके बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धो लें। अगर दाग हल्का है तो सिरके का घोल बनाकर दाग पर लगाएं और फिर से धो लें। इससे कपड़े साफ और दागमुक्त हो जाएंगे। बैकिंग सोडा भी है कारगर : खाने का सोडा एक अच्छा विकल्प है, जो डिऑडेंट के दाग साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए थोड़ा खाने का सोडा पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें, फिर इसे दाग पर लगाकर कुछ देर छोड़ दें। इसके बाद कपड़े को हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। अगर दाग ज्यादा गहरा है तो इस प्रक्रिया को दोहराएं। इससे कपड़ों से दाग हटाने में सहायता मिलती है।

कार्नर न्यूज

इस मौके पर महिलाएं चाहती हैं कि वे सबसे अलग और खूबसूरत दिखें

अगर आप इस साल रक्षाबंधन पर क्या पहनेंगी, इस बारे में सोच रही हैं तो हम आपके लिए कुछ बेहतरीन विकल्प लेकर आए हैं। ये आउटफिट न केवल आरामदायक हैं, बल्कि स्टाइलिश और ट्रेंडी भी हैं। आइए रक्षाबंधन के लिए कुछ ट्रेंडी आउटफिट के विकल्प जानते हैं।



कॉर्सेट कुर्ती और प्लाजो

इस साल महिलाओं की पसंदीदा कॉर्सेट कुर्तियां ही रही हैं, जिनके अब कई डिजाइन बाजार में उपलब्ध हैं। इनमें से आप अपनी पसंद के हिसाब से चुन सकती हैं और उसे प्लाजो के साथ पहनकर एक सुंदर लुक हासिल कर सकती हैं। कॉर्सेट कुर्तियां पीछे या साइड से बांधने वाली होती हैं, जो शरीर के हिसाब से बेहतरीन फिटिंग प्रदान करती हैं।

शॉर्ट कुर्ती और स्कर्ट

आज कल जो देसी आउटफिट सबसे ज्यादा चलन में है वह है स्कर्ट के साथ शॉर्ट कुर्ती को स्टाइल करना। स्कर्ट की लंबाई और प्रकार पूरी तरह से आपकी पसंद पर निर्भर करता है। अगर आपको ट्रेंडी लुक चाहिए तो आप शॉर्ट कुर्ती को डेनिम मिनी स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। वहीं, ज्यादा पारंपरिक लुक पसंद करने वाली महिलाएं इन्हें लंबी स्फेद स्कर्ट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

फैशन में लौट आए हैं कई तरह के भारतीय प्रिंट



भारतीय प्रिंट, जैसे कि बंधेज, बागरू, और कांचीवरम, हमेशा से ही भारतीय फैशन का अहम हिस्सा रहे हैं। ये प्रिंट न केवल पारंपरिक होते हैं, बल्कि आज के समय में भी इनका महत्व कम नहीं हुआ है। आजकल के फैशन डिजाइनर इन प्रिंट को नए तरीकों से पेश कर रहे हैं, जिससे ये आधुनिकता और पारंपरिकता का बेहतरीन मेल बनाते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे ये प्रिंट आज के फैशन में शामिल किए जा रहे हैं।

बंधेज प्रिंट: पारंपरिक और आधुनिकता का संगम : बंधेज प्रिंट गुजरात और राजस्थान का एक मशहूर कपड़ा है, जिसे हाथों से रंगा जाता है। आजकल इसे अलग-अलग तरह के कपड़ों में इस्तेमाल किया जा रहा है, जैसे कि कुर्तियां, साड़ियां, और ड्रेस। इस प्रिंट की खासियत यह है कि यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि इसमें उपयोग होने वाले रंग भी प्राकृतिक होते हैं, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित होता है। इसके अलावा यह पर्यावरण के अनुकूल भी होता है। **बागरू प्रिंट: जैविक रंगों का जादू** : बागरू प्रिंट राजस्थान का एक अनोखा कपड़ा है, जिसे प्राकृतिक रंगों से बनाया जाता है। इसमें नीला रंग खासतौर पर मशहूर है, जो इसे बेहद आकर्षक बनाता है। आजकल बागरू प्रिंट का उपयोग कुर्तियों, बेडशीट और पदों में किया जा रहा है। यह न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि इसमें उपयोग होने वाले रंग भी स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होते हैं। इसके अलावा यह पर्यावरण के अनुकूल भी होता है। **कांचीवरम सिल्क: शाही अंदाज में स्टाइलिश दिखें** : कांचीवरम सिल्क दक्षिण भारत की एक मशहूर साड़ी होती है, जिसे रेशमी धागों से बनाया जाता है। आजकल कांचीवरम सिल्क की साड़ियों का उपयोग शादियों और त्योहारों में किया जा रहा है। इन साड़ियों की खासियत यह होती है कि ये बेहद मजबूत होती हैं और लंबे समय तक चलती हैं। इसके अलावा इनकी चमक और डिजाइन भी बहुत सुंदर होती हैं, जो इन्हें शाही अंदाज देता है। इनका प्रिंट देखते ही बनता है। **पटोला: रंग-बिरंगे डिजाइन** : पटोला गुजरात की एक मशहूर बुनाई तकनीक है, जिसमें रंग-बिरंगे डिजाइन बनाए जाते हैं। आजकल पटोला का उपयोग बुपट्टों और कुर्तियों में किया जा रहा है। पटोला कपड़े की खासियत यह होती है कि इसमें उपयोग होने वाले रंग प्राकृतिक होते हैं, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित होता है। इसके अलावा यह पर्यावरण के अनुकूल भी होता है। इन सभी कारणों से भारतीय प्रिंट आजकल के फैशन में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

मानसून के दौरान खास मौकों के लिए महिलाओं को चुननी चाहिए इस तरह की हील्स

मानसून के दौरान बारिश के कारण फिसलन भरी सतहें बन जाती हैं। ऐसे में महिलाओं को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे ऐसी हील्स का चयन करें, जो न केवल खूबसूरत हो, बल्कि आरामदायक भी हो। खास मौकों पर सही हील्स पहनने से आप न केवल आकर्षक दिखेंगी, बल्कि सुरक्षित भी रहेंगी। आइए आज हम आपको मानसून के दौरान खास मौकों के लिए सही हील्स चुनने से जुड़ी जरूरी बातें बताते हैं।

पानी से बचने वाली सामग्री का चयन करें : मानसून में पानी से बचने वाली सामग्री की हील्स चुनना सबसे अच्छा है। चमड़ा, पीवीसी और रबर जैसी सामग्रियों से बनी हील्स बारिश के पानी से सुरक्षित रहती हैं और इन्हें साफ



करना भी आसान होता है। इसके अलावा ये सामग्रियां फिसलन से बचाने में मदद करती हैं। **फिसलन से बचाने वाले तलवों पर ध्यान दें** : हील्स खरीदते समय उनके तलवों पर खास ध्यान दें। फिसलन से बचाने वाले तलवों वाली हील्स फिसलन से बचाने में मदद करती हैं। रबर या PVC तलवों वाले जूते सबसे अच्छे

विकल्प होते हैं, क्योंकि ये जमीन से अच्छी तरह चिपकते हैं और फिसलन को रोकते हैं। इसके अलावा इनका उपयोग करना भी आरामदायक होता है। **लंबाई का चयन सोच-समझकर करें** : मानसून में ऊंची हील्स पहनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि फिसलन की संभावना अधिक होती है। इसलिए, मध्यम लंबाई की हील्स चुनें, जो आरामदायक हों और फिसलन से बचाएं। अगर आप ऊंची हील्स पहनना चाहती हैं तो प्लेटफॉर्म हील्स का चयन करें, जो आपके पैरों को स्थिरता प्रदान करें और फिसलन से बचाएं। इस तरह आप बारिश में भी बिना किसी चिंता के ऊंची हील्स पहन सकती हैं और आरामदायक महसूस कर सकती हैं।

खास प्रिंट वाली हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती और प्लेयर जींस

हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती और प्लेयर जींस भी रक्षाबंधन के लिए एक बढ़िया आउटफिट हो सकता है। चुनरी या किसी खास प्रिंट वाली हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती का चयन करें, जिसकी फिटिंग आपके लिए एकदम सही हो। इसके साथ नीले या काले रंग वाली प्लेयर जींस पहनें, जिससे आपको थोड़ा इंडो-वेस्टर्न लुक मिल जाएगा। आप चाहें तो प्लेयर पैट या फिर बेल बॉटम जींस का भी विकल्प चुन सकती हैं।

हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती और प्लेयर जींस

हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती और प्लेयर जींस भी रक्षाबंधन के लिए एक बढ़िया आउटफिट हो सकता है। चुनरी या किसी खास प्रिंट वाली हॉल्टर नेक शॉर्ट कुर्ती का चयन करें, जिसकी फिटिंग आपके लिए एकदम सही हो। इसके साथ नीले या काले रंग वाली प्लेयर जींस पहनें, जिससे आपको थोड़ा इंडो-वेस्टर्न लुक मिल जाएगा। आप चाहें तो प्लेयर पैट या फिर बेल बॉटम जींस का भी विकल्प चुन सकती हैं।

